आग्रह

❑ मोहन कुमार डहेरिया

इससे पहले
कि वह पकड़ता
स्लेट और कलम
उन्होंने लटका दिया
उसकी भाषा के गले में
क्रॉस का निशान

लगा दिया
संस्कारों के माथे पर
तिलक
कर दिया शब्दों को अभिमंत्रित

पहना दिया
हाथों में
लोहे का कड़ा

कर दिया
पूरे मस्तिष्क का खतना

अब हैरान हैं वे
होना चाहिए था जिसे
पाठशाला में
दंगाइयों की भीड़ में
वह सबसे आगे है । ◆